भाग—III / PART—III

भाषा–II (संस्कृत) / Language–II (SANSKRIT)

परीक्षार्थी निम्नलिखित भाग के प्रश्नों के उत्तर केवल तभी दें यदि उन्होंने भाषा–II का विकल्प संस्कृत चुना हो।

61. 'गुरुः शिष्यं पाठयति' वाक्य का वाच्य परिवर्तन होगा

(1) गुरुणे शिष्यः पाठ्यते।

(2) गुरुणा शिष्यं पाठ्यते।

(3) गुरुणा शिष्यः पाठ्यते।

(4) गुरुणा शिष्यः पाठयति।

62. 'वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है

(1) यमक

(2) अनुप्रास

(3) रूपक

(4) उपमा

63. 'बालक को लड्डू अच्छा लगता है'—इस वाक्य का संस्कृत अनुवाद होगा

(1) बालकं मोदकं रोचते।

(2) बालकस्य मोदकं रोचते।

(3) बालकाय मोदकं रोचते।

(4) बालकात् मोदकं रोचते।

64. निम्न में से कौन-सा ग्रन्थ 'महाभारत' पर आश्रित नहीं है?

(1) 'वेणीसंहारम्'

(2) 'नैषधीयचरितम्'

(3) 'स्वप्नवासवदत्तम्'

(4) 'शिशुपालवधम्'

65. अधोलिखित पदों में कौन-सा 'प्रगृह्य' संज्ञक है?

(1) हरी

(2) विष्णू

(3) गङ्गे

(4) उपर्युक्त सभी

66. समस्तपद 'रूपवद्भार्यः' का विग्रह होगा

(1) रूपवती च भार्या च

(2) रूपवती भार्या यस्य सः

(3) रूपवती भार्या यस्याः सा

(4) रूपवती भार्यः यस्य सः

67. हन् धातु, लट् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन का रूप है

(1) हन्ति

(2) घ्नन्ति

(3) हन्सि

(4) हन्मि

68. 'अक्ष + ऊहिनी' में कौन-सी सन्धि होती है?

(1) दीर्घ सन्धि

(2) गुण सन्धि

(3) वृद्धि सन्धि

(4) पररूप सन्धि

69. कौन-से स्वर ह्रस्व नहीं होते?

(1) ई उ ऌ ऋ

(2) ऋ ऌ

(3) ए ओ ऐ औ

(4) अं अः

70. लभ् धातु, लोट् लकार, उत्तम पुरुष का एकवचन रूप है

(1) लभामि

(2) लभानि

(3) लभै

(4) लभताम्

71. शिक्षार्थियों में किस विधि के द्वारा सर्वाधिक रुचि जागृत होती है?

(1) पुस्तकों द्वारा

(2) श्रव्य-दृश्य सामग्री द्वारा

(3) कक्षा के वातावरण द्वारा

(4) फिल्मों के द्वारा

निर्देश : निम्नलिखित गद्यावतरण को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न संख्या **72** से **74** तक का सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए।

परेषाम् उपकरणमेव 'परोपकार' इति कथ्यते। परोपकरणं मानवानामेकः सात्त्विकः सद्गुणः स्वीकृतः। परोपकारसद्गुणेन मानवेषु सहयोग भावना वर्धते। यदि वयं परेषां जनानां उपकारं करिष्यामः तर्हि परेऽपि अस्माकं हितं विधास्यन्ति। परस्परोपकरणेनैव अस्माकं कल्याणं भवितुं शक्यते। जन-कल्याणायैव सत्पुरुषा मनसा, वाचा, कर्मणा च परोपकाररताः दृश्यन्ते। सत्पुरुषाणां सम्पत्तयः परजीवेभ्यः एव भवन्ति।

धर्मशास्त्रेषु परोपकारस्य महत्त्वं विशदरूपेण वर्णितम्। सत्परोपकारी तु स एव भवति यः स्वार्थं विहाय परेषां हितसाधने रमते। अनेकानि उदाहरणान्यपि तत्र वर्तन्ते। महर्षिः दधीचिं, रन्तिदेवं वा को न जानाति। प्रकृतिरपि परोपकाररता दृश्यते। नद्यः परार्थमेव जलं वहन्ति। वृक्षाः परहितायैव फलन्ति। गावः स्वदुग्धं परेभ्यः एव यच्छन्ति। परोपकाररूपं सद्गुणं सदैव उपार्जयेयुः। परोपकारभावनयैव अस्माकं, अस्माकं देशस्य च कल्याणं भवितुं शक्यते।

72. सत्पुरुषाणां सम्पत्तयः भवन्ति

(1) स्व-पुत्रेभ्यः

(2) स्व-मित्रेभ्यः

(3) परजीवेभ्यः

(4) स्व-वंशेभ्यः

73. 'सदैव' पद में सन्धि है

(1) यण्

(2) वृद्धि

(3) गुण

(4) अयादि

74. परोपकारस्य महत्त्वं विशदरूपेण वर्णितम्

(1) भक्तिशास्त्रेषु

(2) धर्मशास्त्रेषु

(3) न्यायशास्त्रेषु

(4) सांख्यदर्शनेषु

75. 'क्त' प्रत्यय की संज्ञा है

(1) टि

(2) निष्ठा

(3) नदी

(4) घि

76. 'लुट्' लकार का प्रयोग होता है

(1) अद्यतन भविष्यत् में

(2) सामान्य भविष्यत् में

(3) अनद्यतन भूत में

(4) अनद्यतन भविष्यत् में

77. निम्न में से कौन-सा स्वर नहीं है?

(1) अ

(2) इ

(3) ऋ

(4) ऌ

78. 'चक्रपाणिः' में कौन-सा समास है?

(1) तत्पुरुष

(2) बहुव्रीहि

(3) द्विगु

(4) द्वन्द्व

79. 'द्रक्ष्यतः' दृश् धातु का कौन-सा रूप है?

(1) प्रथम पुरुष बहुवचन

(2) प्रथम पुरुष द्विवचन

(3) मध्यम पुरुष एकवचन

(4) मध्यम पुरुष द्विवचन

80. 'कर्मवाच्य' में क्रिया किसके अनुसार होती है?

(1) कर्त्ता

(2) कर्म

(3) वचन

(4) लिङ्ग

81. 'सप्तचत्वारिंशत्' कौन-सी संख्या है?

(1) 74 (चौहत्तर)

(2) 47 (सैंतालिस)

(3) 37 (सैंतीस)

(4) 34 (चौंतीस)

82. 'सङ्कात् सञ्जायते कामः' में सूत्र प्रवृत्त हुआ है

(1) भुवः प्रभवश्च

(2) जनिकर्तुः प्रकृतिः

(3) आख्यातोपयोगे

(4) पराजेरसोढः

83. 'पर्यध्ययनः' उदाहरण है

(1) द्वितीया तत्पुरुष का

(2) चतुर्थी तत्पुरुष का

(3) कर्मधारय का

(4) प्रादि तत्पुरुष का

84. 'ज्ञा' धातु लिट् लकार उत्तम पुरुष एकवचन का रूप है

(1) जज्ञे

(2) जज्ञिरे

(3) जज्ञिषे

(4) जज्ञाहे

85. 'धूता' पात्र है

(1) 'मृच्छकटिकम्' में

(2) 'मुद्रारक्षसम्' में

(3) 'मालविकाग्निमित्रम्' में

(4) 'मालतीमाधवम्' में

86. गंगा-यमुना के संगम का वर्णन प्राप्त होता है

(1) 'रघुवंश' में

(2) 'कादम्बरी' में

(3) 'किरातार्जुनीयम्' में

(4) 'हर्षचरितम्' में

87. 'भवाच्छेदस्त्र्यम्बकपादपांसवः' में 'भवाच्छेदः' किसका विशेषण है?

(1) त्र्यम्बक का

(2) त्र्यम्बकपाद का

(3) पांसवः का

(4) पाद का

88. यमक अलङ्कार होता है

(1) सार्थक वर्णसमूहों की पुनरावृत्ति

(2) अनर्थक वर्णसमूहों की पुनरावृत्ति

(3) एक सार्थक दूसरा अनर्थक वर्णसमूह की पुनरावृत्ति

(4) उपर्युक्त सभी प्रकार के वर्णसमूहों की आवृत्ति

89. ईषत्स्पृष्ट प्रयत्न है

(1) स्पर्श व्यञ्जनों का

(2) अन्तःस्थों का

(3) ऊष्म वर्णों का

(4) स्वरों का

90. 'राजा विप्राय गां ददाति' का वाच्य परिवर्तन होगा

(1) राज्ञा विप्राय गां दीयते।

(2) राज्ञा विप्रेण गां दीयते।

(3) राज्ञा विप्रेण गौः दीयते।

(4) राज्ञा विप्राय गौः दीयते।